Regd.No. :

राजस्थान सरकार व राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा मान्यता प्राप्त

लक्ष्मी कॉलेज ऑफ एज्यूकेशन

बिदारा, शाहपुरा (जयपुर)

B.A. B.Ed. & B.Sc. B.Ed.

B.A. & B.Sc.

विद्यैव सर्वधनम्

The College of your Dreams

सहशिक्षा का सर्वोत्तम संस्थान

Prospectus

+91 98 28 73 0000
laxmicollegeofedu@gmail.com
www.laxmicollegeofedu.com

सचिव :
+91 9828730000

निदेशक :
+91 9829054503

प्रवेश नियम एवं प्रक्रिया

- पार्ट–1 की सभी कक्षाओं में प्रवेश निदेशालय, कॉलेज शिक्षा, राजस्थान, जयपुर के निर्देशानुसार घोषित प्रवेश नीति से किये जायेगें।
- प्रवेश की अन्तिम तिथि तक निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र जमा करवायें।
- प्रवेश की अन्तिम तिथि उपरान्त प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
- अन्तिम तिथि तक निर्धारित संख्या से अधिक प्रवेश आवेदन पत्र प्राप्त होने पर प्रवेश नियमानुसार तथा मेरिट सूची के आधार पर किये जायेंगे।
- फीस जमा करवाने पर रसीद अवश्य प्राप्त करें। जमा राशि की समस्त रसीदें सुरक्षित रखें जिनकी समय–समय पर आवश्यकता रहेगी।
- फीस जमा करवाते समय आवेदन पत्रानुसार आवश्यक मूल दस्तावेज एवं प्रतिलिपि आवेदन फार्म के साथ संलग्न करना आवश्यक है।
- कोई भी शुल्क जमा करवाने के उपरान्त किसी भी परिस्थिति में वापस नहीं की जायेगी।
- ऐच्छिक विषयों के चयन उपरान्त उनमें कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा, प्राचार्य की आज्ञा से अपरिहार्य कारण पर प्रवेश के 10 दिन के भीतर विषय नियमानुसार परिवर्तन सम्भव होगा।
- प्रवेश के उपरान्त सत्र में विद्यार्थी स्वयं प्रवेश फार्म के अतिरिक्त परीक्षा फार्म, ऐनरोलमेन्ट, माईग्रेशन, रिवेल्यूएशन, सप्लीमेन्ट्री परीक्षा, विभिन्न छात्रवृत्तियों आदि के फार्म भरेगा। संस्था की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।
- प्रवेश उपरान्त सभी विद्यार्थी महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय के निर्देश आदि महाविद्यालय के सूचनापट्ट पर प्राप्त करे जिसकी पालना प्रत्येक विद्यार्थी के लिए अनिवार्य है।

उपस्थिति नियमावली

- प्रत्येक विद्यार्थी को विश्वविद्यालय की परीक्षा में बैठने योग्य बनने के लिए प्रत्येक विषय के समस्त लेक्चर्स (कालांशो) की 75 प्रतिशत / प्रशिक्षण कोर्स में 80 प्रतिशत उपस्थिति आवश्यक है। यदि कोई विद्यार्थी अनुपस्थिति रहता है तो इसकी जिम्मेदारी स्वयं विद्यार्थी की होगी।
- अनाचार, अनुशासनहीनता या अन्य किसी दुराचरण के कारण विद्यार्थी को महाविद्यालय से निष्कासित किया जाता है तो वह स्वयं अनुपस्थित माना जायेगा जिसके लिए छात्र–छात्रा स्वयं जिम्मेदार होगें।
- उपस्थिति से सम्बन्धित सभी नियम विश्वविद्यालय द्वारा घोषित ही मान्य होगें।

वाचनालय एवं पुस्तकालय

- महाविद्यालय में पुस्तकालय के साथ ही वाचनालय की सुविधा भी उपलब्ध है जिसमें विद्यार्थियों के लिए अंग्रेजी व हिन्दी की पत्र–पत्रिकाऐं मंगवाई जाती है।
- वाचनालय एवं पुस्तकालय की समस्त पुस्तकों व पत्र–पत्रिकाओं को नुकसान नहीं पहुंचाने की जिम्मेदारी स्वयं विद्यार्थी की होगी।
- प्रत्येक विद्यार्थी एक समय में दो पुस्तके पुस्तकालय से प्राप्त कर सकता है जिसे अधिकतम 15 (पन्द्रह) दिवस तक अपने पास रख सकता है इससे अधिक दिनों के उपरान्त पुस्तकाल्याध्यक्ष के द्वारा निश्चित शुल्क (प्रतिदिन अनुसार) देय होगा।
- विद्यार्थी द्वारा प्राप्त की गई पुस्तक बिना फाड़े या बिना मार्क किये सुरक्षित जमा करवानी होगी। पुस्तक के खोने/कोई पृष्ठ फटने या बिगाड़ने पर पुस्तक का दोगुना मुल्य पुस्तक की एवज में जमा करवाना होगा।

छात्रवृत्तियाँ

- राज्य एवं केन्द्र सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली समस्त छात्रवृत्तियाँ महाविद्यालय द्वारा आवेदन पत्र भरवाकर प्रदान करवाई जाती हैं। जिसके लिए नियमानुसार विद्यार्थी स्वयं समयानुसार आवेदन पत्र भरकर महाविद्यालय को सूचित करेगा। सूचना या सम्पर्क के अभाव में तकनीकी रूप से छात्रवृति के आवेदन पत्र के भरे जाने में कमी होने का विद्यार्थी स्वयं जिम्मेदार होगा।
- S.C/S.T./S.B.C./O.B.C./विकलांग आदि वर्ग के विद्यार्थियों को समाज कल्याण विभाग द्वारा निर्धारित पात्रतानुसार छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती है।

अनुशासन एवं आचारसंहिता

एक श्रेष्ठ महाविद्यालय का गौरव तथा परिचय उसके विद्यार्थियों से होता है, जो कि सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी, खेल, मनोरंजन, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय क्षेत्र में अपनी पहचान बनाकर कीर्तिमान स्थापित करते है। लक्ष्मी कॉलेज ऑफ एज्यूकेशन प्रत्येक विद्यार्थी में ज्ञान दीप प्रज्जवलित करके उसमें अन्तर्निहित क्षमता, प्रतिभा, अन्तर्दृष्टि, विवेक, तर्कशक्ति, सामजस्य प्रवृत्ति एवं नवकल्पना शक्ति का विकास करके आत्मनिर्भरता के गुणों को उत्पन्न कर छात्र–छात्राओं के भावी जीवन का पथ प्रदर्शित करता है।

संस्था के लिए शिक्षा का अर्थ केवल पढ़ाई नहीं अपितु बच्चों का सर्वांगिण विकास कर उन्हे साधारण से असाधारण बनाने के लिए तथा जीवन के हर मुकाबले के लिए तैयार करना हैं। संस्था अपने अनुभव व ज्ञान के माध्यम से आपको अपने लक्ष्य तक पहुंचाने में तत्पर रहेगी। आपसे आशा हैं कि आप पूर्ण लग्न, कठोर मेहनत एवं अनुशासन में रहकर अध्ययन करोगे एवं जीवन की समस्त परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर उच्चतम शिखर पर पहुंचोगें।

इस महाविद्यालय के विद्यार्थियों को अपने व्यवहार एवं आचरण पर सर्वाधिक ध्यान देना चाहिए। उनके व्यवहार एवं आचरण में ऐसी शालीनता होनी चाहिए कि वे इस संस्था की प्रतिष्ठा व गौरव बन सके। महाविद्यालय एक आदर्श शिक्षण संस्था होने के साथ–साथ विद्यार्थियों को सुनागरिक बनाने का स्थल भी हैं। देश के भावी कर्णधारों के लिए यह आवश्यक है कि वो इस संस्था की जो प्रतिष्ठा है, उसकी वृद्धि में सर्वोत्तम अनुशासित आचरण करें।

- विद्यार्थियों की वेशभूषा महाविद्यालयानुसार एवं शालीन होनी चाहिए।
- कक्षा–कक्ष के भीतर शान्तिपूर्ण व अध्ययन का वातावरण बनाये रखें यदि किसी कारणवश अध्यापक विलम्ब से आये तो शान्तिपूर्वक व्यवहार एवं आचरण करें।
- महाविद्यालय के उत्सव, समारोह एवं दैनिक व विशेष आयोजन में अनिवार्य उपस्थिति दर्ज करवायें एवं स्वयं का सर्वोत्तम योगदान प्रदान करें।
- महाविद्यालय मे एकल या सामूहिक रूप से किसी भी व्यक्ति, साथी, वस्तु, भवन, उपकरण आदि को कोई क्षति नही पहुँचायी जायें।

अनुशासनहीनता, दूराचारण या कदाचार करने या सहयोग करने वाले विद्यार्थी के खिलाफा अनुशासनात्मक कार्यवाही/दण्ड/सजा का प्रावधान महाविद्यालय के पास सुरक्षित है जिसके लिए विद्यार्थी स्वयं जिम्मेदार होगा।

शिक्षा जीवन का आधार, इसके बिना है सब बेकार।

“ शिक्षा का एक व्यक्ति के जीवन में बहुत महत्वपूर्ण स्थान है। शिक्षा वह वस्तु है जो हमें एक सभ्य इंसान बनाती है और समाज के उन्नति में अपना योगदान देती है। शिक्षा का अर्थ ही है सिखना-सिखाना, इस प्रकार से शिक्षा द्वारा ना सिर्फ हम कुछ नया सिखते है, बल्कि की इसके द्वारा पिछले पीढ़ीयो के ज्ञान का हस्तांतरण भी नयी पीढ़ी के लिए किया जाता है। इस प्रकार से हम कह सकते हैं कि शिक्षा एक व्यक्ति के साथ-साथ पूरे समाज की तरक्की के लिए काफी महत्वपूर्ण है।

सहशिक्षा का सर्वोत्तम संस्थान

लक्ष्मी कॉलेज ऑफ एज्यूकेशन

बिदारा, शाहपुरा (जयपुर)

+91 98 28 73 0000
laxmicollegeofedu@gmail.com
www.laxmicollegeofedu.com

प्राचार्य :

+91 9829700466

BALAJI PRINTERS GOVINDPURA, JAIPUR 9950041716, 9829261467